

8. हाशियाकरण से निपटना

प्रश्न : हाशियाई तबकों ने मौलिक अधिकारों को किन दो रूपों में इस्तेमाल किया है ?

उत्तर :

(i) मौलिक अधिकारों पर जोर देकर उन्होंने सरकार को अपने साथ हुए अन्याय पर ध्यान देने के लिए मजबूर किया है।

(ii) उन्होंने इस बात के लिए दवाब डाला है कि सरकार इन कानूनों को लागू करे। कई बार हाशियाई

तबकों के संघर्ष की वजह से ही सरकार को मौलिक अधिकारों की भावना के अनुरूप नए कानून बनाने पड़े हैं।

Question: In what two ways have the marginalised sections used the fundamental rights?

Answer:

(i) By insisting on their Fundamental Rights, they have forced the government to recognise the injustice done to them.

(ii) They have insisted that the government enforce these laws. In some instances, the struggles of the marginalised have influenced the government to frame new laws, in keeping with the spirit of the Fundamental Rights.

प्रश्न: संविधान के किस अनुच्छेद में अस्पृश्यता या छुआछूत के उन्मूलन के लिए वर्णन किया गया है ?

उत्तर : संविधान के अनुच्छेद 17 और अनुच्छेद 15 में ।

Question: Which Article of the Constitution has been described for the abolition of untouchability ?

Answer: In article 17 and articles 15 of the Constitution.

प्रश्न : अस्पृश्यता क्या है ?

उत्तर : अस्पृश्यता एक सामाजिक कुरीति है जिसमें समाज के कुछ वर्गों के साथ छुआछूत या दुर्व्यवहार किया जाता है । जैसे-साथ पढ़ना, मंदिरों में जाना और सामाजिक सुविधाओं के इस्तेमाल पर रोक लगाना आदि शामिल है ।

Question: What is untouchability?

Answer: Untouchability is a social evil in which some sections of society are untouchable or misbehaved. Reading together, going to the temples and banning the use of social facilities are included.

प्रश्न: सामाजिक न्याय को प्रोत्साहन करने के लिए सरकार द्वारा कौन-कौन से कदम उठाये गए हैं ?

उत्तर : (i) कई स्थानों पर दलितों और आदिवासियों को सरकार की ओर से मुफ्त या रियायती दरों पर उनकी अच्छी शिक्षा के लिए छात्रावास खोले गए हैं ।

(ii) आरक्षण की व्यवस्था भी इन लोगों तक सामाजिक न्याय देने के उद्देश्य से किया गया है ।

(iii) शिक्षण संस्थानों में और सरकारियों में दलितों और आदिवासियों के सीटों की आरक्षण की व्यवस्था की गई है ।

(iv) शिक्षण संस्थानों में इन वर्गों के विद्यार्थियों को सरकार विशेष छात्रवृत्ति भी देती है ।

Question: What steps have been taken by the government to promote social justice?

Answer: (i) Hostels have been opened in various places for good education of Dalits and tribals on free or concessional rates.

(ii) The facilities of reservation have also been made to provide social justice to these people.

(iii) Reservation of seats for Dalits and tribals has been made in educational institutions and in other governments.

(iv) Government gives special scholarship to the students of these classes in educational institutions.